(5) *Gratuity- Benefit-* was increased from 15 months' to 20 months' terminal basic salary.

(6) *A city compensatory allowance* the rate of Rs. 10 p.m. was agreed to for the employees working in specified cities.

दवाइयों की ऊंची कीमतें निर्धारित करने के बारे में अधिसूचना

32. **श्री सूरज भान:**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री बृज भूषण लाल :
श्री शारदा नन्द :
श्री यज्ञ दत्त शर्मा :
श्रीमती शारदा मुकर्जी :
श्री राम चरण :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री श्रीगोपाल साहू :
श्री शिव चरण लाल :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री वीरेन्द्र कुमार शाह :

क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्री यह बताने का कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दवाइयों की ऊंची कीमतें निर्धारित करने की अनुमति देने के बारे में हाल में एक अधिसूचना जारी की गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है और और उसके क्या परिणाम निकले हैं ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वा० रा० चव्हाण) : (क) और (ख). ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है जिसमें औषध फारमूलेशन्स के ऊंचे मूल्य निर्धारण किये जाने की अनुमति दी गई हो परन्तु कुछ प्रचुर औषधियों के , जिनके मूल्य टैरिफ आयोग की सिफारिशों के आधार पर पहले घोषित किये गये थे, मूल्यों के संशोधन की अधिसूचना जारी की गई। यह उन प्रचुर औषधि निर्माताओं के अभ्यावेदनों के फलस्वरूप किया गया था जिन में कहा गया है कि टैरिफ कमिशन ने औषधियों के लागत ढांचे की जांच की थी । कच्चे मालों की मजदूरी, ऊर्जा, इत्यादि की दरों में वृद्धि उस समय की तुलना में हुई जब उन अभ्यावेदनों को ध्यानपूर्वक जांचा गया और निम्नलिखित 6 औषधियों के मूल्य में वृद्धि को अनुमति उस हद तक दे दी गई जहां तक कच्चे मालों के लागत में वृद्धि हुई थी :—

(1) सल्फाडि आजोन (आयातित)
(2) मूल अवस्था से बनाये गये आयोडोकलोरो हाइड्राक्सी क्वोनालीन
(3) प्रेडनीसालोन
(4) देशी पिकालीनस द्वारा निर्मित आई एन एच
(5) सोडियम पी ए एस
(6) पी ए एस एसिड

मूल्य वृद्धि की अनुमति के बाद भी, संशोधित मूल्य अब भी उन मूल्यों से कम हैं जो ड्रग्ज (प्राइसेज कण्ट्रोल) आर्डर, 1970 के लागू होने के समय प्रचलित थे ।

सेन्ट्रल बैंक आफ इंण्डिया की लंदन शाखा में गबन

33. **श्री सूरज भान :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री बृज भूषण लाल ;
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री शारदा नन्द :
श्री मृत्युंजय प्रसाद :
श्री भट्टाकर सूपकार :
श्री देवकी नन्दन पाटोदिया :
श्रीमती सुशीला गोपालन :

श्री ज्योतिर्मय बसु :
श्री भगवान दास :
श्री उमा नाथ :
श्री पी० पी० एस्थोस :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया की लन्दन शाखा में हुए गबन का ब्यौरा क्या है; और

(ख) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है और उसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल): (क) और (ख): मामले का ब्यौरा लोक सभा में 19 मई, 1970 को ध्यानाकर्षण सूचना के उत्तर में दिये गये वक्तव्य में दे दिया गया था। सबसे ताजा स्थिति यह है कि कुल मिलाकर 105 लाख डूयश मार्क की हुंडियों में से जिनके बारे में हेम्बर्ग के बेहरन्स उंड सोहने नामक बैंक ने सेन्ट्रल बैंक आफ़ इंडिया के लन्दन-स्थित कार्यालय द्वारा दी गई कथित गारंटियों के आधार पर भुनाये जाने का दावा किया है, 65 लाख ड्यूश मार्क की हुंडियां जून, 1970 में भुगतान के लिये पेश की गई थी। सेन्ट्रल बैंक ने इन हुंडियों के सबन्ध में देनदारी को अस्वीकार कर दिया है और साथ ही इन्हें चुकाने से इन्कार कर दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बैंक आफ इंगलैण्ड तथा पश्चिम जर्मनी के केन्द्रीय बैंकिंग एवं अधीक्षण प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों और जर्मनी के गैर-सरकारी बैंकों के उन प्रतिनिधियों से भेंट की है जिन्होंने इन हुंडियों के बारे में कार्यवाई की है और उन्हें स्थिति से अवगत कराया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लंदन-स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की शाखा का निरीक्षण करने के लिए अपना एक अधिकारी भी नियुक्त किया है और निरीक्षण का कार्य चल रहा है।

स्काटलैण्ड यार्ड ने, जिसके पास सेंट्रल बैंक आफ इंडिया ने शिकायत दर्ज कराई थी, मामले की जांच शुरू कर दी है। श्री सामी जे० पटेल का 8 जुलाई, 1970 को ब्यूनस आयर्स, अर्जेनटीन में पता चल गया था और प्राप्त सूचना के अनुसार वे 23 जुलाई, 1970 को लन्दन वापस आ गये है। हवाई अड्डे पर पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में एक मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया जिसने उन्हें 31 जुलाई, 70 तक हवालात में रखे जाने का हुक्म दिया है।

Penalty notices Against Union Ministers under Income Tax or Wealth Tax Acts

34. SHRI SURAJ BHAN :
SHRI BANSH NARAIN SINGH :
SHRI J.B. SINGH :
SHRI KANWAR LAL GUPTA :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the names of the Union Ministers against whom penalty notice has been issued under the Income-tax or Wealth-Tax Acts during the last two years;

(b) the names of the Ministers on whom penalty was imposed and the amount of penalty imposed on each;

(c) the reply of each Minister against whom the penalty notice has been issued; and

(d) the names of the Ministers against whom penalty was dropped and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) Out of 55 Union Ministers, information has been received, inrespect of 43 Ministers. Out of these